

छत्तीसगढ़ लघु वनोपज प्रोसेसिंग के क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार के लिये चयनित चर्चा में क्यों?

हाल ही में छत्तीसगढ़ राज्य लघु वनोपज संघ तथा जगदलपुर ज़िले के वनधन विकास केंद्र बकावण्ड और कोरबा ज़िले के डोंगानाला के दो स्व-सहायता समूह को प्रतियोगिता ग्रिडि पुरस्कार हेतु ई.एस.जी. वर्ल्ड समिति में नामित एवं चयनित किया गया है।

प्रमुख बिंदु

- गौरतलब है कि छत्तीसगढ़ को यह पुरस्कार संधारणीय विकास, गरीबी उन्मूलन तथा महिला सशक्तीकरण की श्रेणियों में प्राप्त हुआ है।
- विजेताओं का चयन लगभग तीन माह चले तीन चरणों में कठोर परीक्षण मापदंडों पर प्रस्तावों के विश्लेषण के आधार पर किया गया।
- सगिापुर के कार्प स्ट्रेज तथा ई.एस.जी. रसिर्च फाउंडेशन का उद्देश्य ईएसजी मापदंड विकास के लक्ष्यों तथा प्रभावों को विस्तारित करना एवं संयुक्त राष्ट्रसंघ द्वारा निर्धारित संधारणीय विकास लक्ष्यों की स्थापना है।
- इन पुरस्कारों के लिये 'संधारणीय विकास लक्ष्यों' की श्रेणियों के अनुसार, पूरे विश्व के व्यवसायियों से नामांकन प्राप्त किये गए थे।
- ई.एस.जी. ग्रिडि पुरस्कार समारोह सगिापुर में आगामी 22 और 23 जुलाई को आयोजित किया जाएगा। इसमें भाग लेने विजेता स्व-सहायता समूहों की 2-2 महिला सदस्यों को सगिापुर भेजा जाएगा।
- छत्तीसगढ़ से चयनित महिलाओं में डोंगानाला से सरोज पटेल तथा फूलबाई नेती और बकावण्ड से पद्मिनी बघेल तथा बेला बाई कश्यप शामिल हैं।
- ई.एस.जी. ग्रिडि पुरस्कार समारोह में 150 देशों के प्रतिनिधि, पूरे विश्व के 200 से अधिक संस्थानों के एक्जीक्यूटिवि, बड़े संस्थानों के प्रतिनिधि उद्यमी बैंक से निवेशक, समाजसेवी, सामाजिक संगठन, पर्यावरणविद् शासकीय तथा अन्य प्रतिनिधि सम्मिलित होंगे।